न्यूज़लेटर

31 अगस्त, 2026

छात्रों की गूंज

पितृसत्ता को उखाड़ो!

पुणे में, राहुल गांधी ने शिक्षा, रोज़गार और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में महिलाओं के सामने आने वाली रुकावटों के बारे में बात की। उन्होंने मनुस्मृति की उस सोच को खारिज किया जिसमें महिलाओं की पहचान को सिर्फ़ उनके पिता, पति या बेटे से जोड़कर देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं; उनका सफ़र उनका अपना है और उनकी पहचान किसी और से नहीं, बल्कि खुद से है। हिंसा, अपमान, नियंत्रण और समय की चुनौतियों पर चर्चा के दौरान, युवा महिलाओं ने मंच पर अपनी कहानियाँ भी साझा कीं। राहुल गांधी ने युवा महिलाओं से कहा कि वे बेबाक बनें, गर्व करें, अपनी जगह के लिए लड़ें और पितृसत्ता को उखाड़ फेंकें।

रैली यहां देखें

भारत में नौकरियों के दरवाज़े बंद

इलाहाबाद में, राहुल गांधी ने युवाओं के सामने नौकरी पाने में आने वाली चुनौतियों पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और GST ने MSME और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को कमजोर किया है, वहीं पेपर लीक, निजीकरण और सरकारी सेक्टर में नौकरियों की कमी ने सरकारी नौकरी के रास्ते सीमित कर दिए हैं। AI प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों के भविष्य के लिए खतरा बन गया है। इसकी तुलना उन्होंने अडानी की बढ़ती दौलत, BJP के बढ़ते फंड और संस्थाओं पर RSS के कब्ज़े से की। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे इस सिस्टम से नफ़रत से नहीं, बल्कि प्यार से लड़ें।

रैली यहां देखें

दोषी या नाकाबिल

राहुल गांधी ने छात्रों की इंसाफ़ की लड़ाई को संसद में उठाया और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर गृह मंत्री अमित शाह से जवाबदेही की मांग की।

अपने लेख में उन्होंने लिखा कि छात्रों पर हुई हिंसा के लिए अमित शाह या तो दोषी हैं या फिर नाकाबिल, और दोनों ही सूरत में उन्हें इस्तीफ़ा देना चाहिए। उन्होंने महिला प्रदर्शनकारियों की ट्रोलिंग की कड़ी निंदा की और प्रधानमंत्री से माफ़ी की मांग की।

इंदिरा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दोहराया कि हमारे छात्रों पर हुई हिंसा के लिए ज़िम्मेदार हर व्यक्ति की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

लेख यहां पढ़ें 👆 | संसद में विरोध-प्रदर्शन यहां देखें 👆

प्रेस वार्ता यहां देखें 👆

भारत के युवाओं के साथ

राहुल गांधी ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हिंसा, उत्पीड़न और ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करने वाले छात्रों से मुलाकात की और जवाबदेही की मांग की। इसके बाद, वे साहिल लोचब के साथ FIR दर्ज कराने गए, जिनकी पैलेट गन के हमले से आंखों की रोशनी चली गई थी। जब पुलिस ने FIR दर्ज करने से मना कर दिया, तो राहुल गांधी साहिल और उनके परिवार के साथ, संसद मार्ग थाने के बाहर सात घंटे तक धरने पर बैठे रहे। आखिरकार पुलिस को FIR दर्ज करनी पड़ी।

पूरी बातचीत यहां देखें 👆 | धरना-प्रदर्शन यहां देखें 👆

झलकियाँ

मल्लिकार्जुन खड़गे जी की हल्द्वानी रैली के बाद मंच के "शुद्धिकरण" पर तुरंत कार्रवाई की मांग की, छुआछूत का ये रूप बहुत शर्मनाक है।

केन-बेतवा परियोजना में उचित मुआवज़े और पुनर्वास के लिए लड़ाई लड़ रहे आदिवासियों के साथ खड़ा हुआ।

अंकिता भंडारी के परिवार द्वारा न्याय और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय किए जाने की मांग का समर्थन किया।

नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या के कारण अपने बच्चों को खोने वाले तमिलनाडु के परिवारों के दुख में शामिल हुआ।

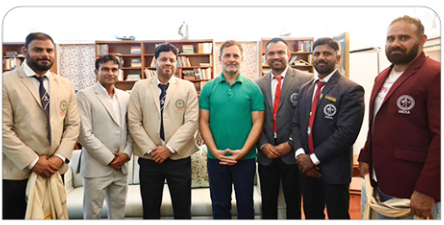

भारत के राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों को आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएँ दी।

रचनात्मक कांग्रेस राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए विपक्ष से मुखर और एकजुट रहने का आग्रह किया।

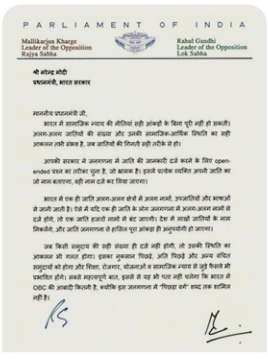

इंदिरा भवन में स्वतंत्रता दिवस मनाया।

PARLIAMENT OF INDIA

Mallikarjun Kharge
Leader of the Opposition
Rajya Sabha

Rahul Gandhi
Leader of the Opposition
Lok Sabha

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

माननीय प्रधानमंत्री जी,

भारत में सामाजिक न्याय की नीतियां सही आंकड़ों के बिना पूरी नहीं हो सकतीं। अलग-अलग जातियों की संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आकलन तभी संभव है, जब जातियों की गिनती सही तरीके से हो।

आपकी सरकार ने जनगणना में जाति की जानकारी दर्ज करने के लिए open-ended प्रश्न का तरीका चुना है, जो भ्रामक है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी जाति का जो नाम बताएगा, वही नाम दर्ज कर लिया जाएगा।

भारत में एक ही जाति अलग-अलग क्षेत्रों में अलग नामों, उपजातियों और भाषाओं से जानी जाती है। ऐसे में यदि एक ही जाति के लोग जनगणना में अलग-अलग नामों से दर्ज होंगे, तो एक जाति हजारों नामों में बंट जाएगी। देश में लाखों जातियों के नाम निकलेंगे, और जाति जनगणना से हासिल पूरा आंकड़ा ही अनुपयोगी हो जाएगा।

जब किसी समुदाय की सही संख्या ही दर्ज नहीं होगी, तो उसकी स्थिति का आकलन भी गलत होगा। इसका नुकसान पिछड़े, अति पिछड़े और अन्य वंचित समुदायों को होगा और शिक्षा, रोजगार, योजनाओं व सामाजिक न्याय से जुड़े फैसले भी प्रभावित होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात, इससे ये यह भी पता नहीं चलेगा कि भारत में OBC की आबादी कितनी है, क्योंकि इस जनगणना में "पिछड़ा वर्ग" शब्द तक शामिल नहीं है।

प्रधानमंत्री से एक सटीक और व्यापक जाति जनगणना को सुनिश्चित करने की मांग की।

RAHUL GANDHI
LEADER OF OPPOSITION
LOK SABHA

14th Aug, 2025

Shri Hemant Soren
Chief Minister of Jharkhand

Dear Shri Hemant Soren Ji,

The Congress party believes that the right to peaceful protest as enshrined in the Constitution of India is one of the central pillars of our democracy. We have, therefore, offered our full support to students protesting paper leaks and irregularities in the education system over the last few months. It is also our belief that the Indian education system has been captured by the RSS and BJP and transformed into a tool for the exploitation and oppression of students. It is no longer the robust knowledge system that it used to be a decade ago.

As you are aware, students in Jharkhand have also been protesting irregularities in the State recruitment examinations. Their protest has been peaceful, and their demands are legitimate. I appreciate that the Jharkhand government has begun a dialogue with them through a committee instituted by you. I believe that there is also agreement on several demands raised by the students. However, the protests continue, and some students remain on an indefinite hunger strike.

I am writing to suggest that you personally meet with representatives of the protesting students. This will help reinforce the government's commitment to resolve their remaining concerns.

The youth of India is its future. We owe them our solidarity and support at this moment of crisis. Please do your utmost to hear them out and take appropriate action towards the resolution of this issue.

Sincerely,

Rahul Gandhi

झारखंड में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की।

न्यूज़लेटर को **सब्सक्राइब** करने के लिए यहां क्लिक करें